भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
20.08.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4545 का उत्तर

हाई स्पीड रेल परियोजनाएँ

4545. श्रीमती रचना बनर्जी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हाई-स्पीड रेल परियोजनाओं, विशेष रूप से मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन की वर्तमान स्थिति क्या है, जिसमें वास्तविक प्रगति, वित्तीय व्यय और संशोधित पूर्णता समय-सीमा शामिल है;

(ख) वर्तमान में संचालित वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाओं की संख्या क्या है और इन सेवाओं का विस्तार करने की योजना का ब्यौरा क्या है ताकि विशेष रूप से उन क्षेत्रों में अधिक मार्गों को कवर किया जा सके जहाँ वर्तमान में अर्ध-हाई-स्पीड कनेक्टिविटी का अभाव है;

(ग) हाई-स्पीड रेल घटकों और वंदे भारत ट्रेन सेटों के विनिर्माण को स्वदेशी बनाने के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) इन कार्यों का रोजगार सृजन पर अनुमानित प्रभाव का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना (508 कि.मी.) को जापान सरकार की तकनीकी और वित्तीय सहायता से निष्पादित किया जा रहा है। यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली से होकर गुजरेगी और इसके 12 स्टेशन मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलीमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद और साबरमती में बनाए जाएंगे।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए पूरी भूमि (1389.5 हेक्टेयर) अधिगृहीत कर ली गई है। वन्यजीवन, तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) और वन विभाग की स्वीकृति से संबंधित सभी सांविधिक स्वीकृतियां प्राप्त कर ली गई हैं। परियोजना के सभी सिविल ठेके दे दिए गए हैं। कुल 28 निविदा पैकेजों में से 24 निविदा पैकेज दे दिए गए हैं। सभी 1651

जनोपयोगी सुविधाओं को स्थानांतरित कर दिया गया है। परिचालन के दौरान शोर कम करने के लिए नॉएज़ बैरियर लगाए जा रहे हैं।

विभिन्न महत्वपूर्ण मदों की अब तक की प्रगति निम्नानुसार है:

मद	प्रगति		
	गुजरात	महाराष्ट्र	कुल
नींव	350 कि.मी.	56 कि.मी.	406 कि.मी.
पाए	350 कि.मी.	45 कि.मी.	395 कि.मी.
गर्डर कास्टिंग	332 कि.मी.	1.67 कि.मी.	333.67 कि.मी.
गर्डर लांचिंग	312 कि.मी.	0.16 कि.मी.	312.16 कि.मी.

127 किलोमीटर लंबे पुल पर पटरी बिछाने का कार्य शुरू हो गया है और ओएचई मास्ट लगाने का कार्य प्रारंभ हो गया है।

कुल 12 स्टेशनों में से, 8 स्टेशनों (वापी, बीलीमोरा, सूरत, भरुच, आणंद, वडोदरा, अहमदाबाद और साबरमती) पर नींव का कार्य पूरा हो चुका है। महाराष्ट्र खंड में, 3 स्टेशनों (ठाणे, विरार, बोईसर) पर नींव का कार्य प्रगति पर है और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्टेशन पर खुदाई का कार्य लगभग पूरा हो चुका है और बेस स्लैब की कास्टिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।

16 नदी पुलों का निर्माण पूरा हो चुका है। गुजरात में 5 प्रमुख नदी पुलों (नर्मदा, विश्वामित्री, माही, ताप्ती और साबरमती) पर निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और महाराष्ट्र में 4 नदी पुलों का कार्य प्रगति पर है। डिपो (ठाणे, सूरत और साबरमती) पर कार्य जोरों पर है।

गुजरात में एकमात्र सुरंग का कार्य पूरा हो गया है। समुद्र के नीचे सुरंग (लगभग 21 कि.मी.) का कार्य शुरू हो गया है। इसमें से महाराष्ट्र में घनसोली और शिलफाटा के बीच 4 कि.मी. सुरंग का कार्य पूरा हो चुका है।

दिनांक 30.06.2025 तक परियोजना पर 78,839 करोड़ रुपए का संचयी वित्तीय व्यय किया गया है।

इस परियोजना ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से निर्माण से जुड़े लोगों के लिए रोजगार का सृजन किया है, विभिन्न वस्तुओं, निर्माण सामग्री, उपकरणों और सेवाओं आदि की आपूर्ति की है।

बहरहाल, बुलेट ट्रेन परियोजना एक अत्यंत जटिल और प्रौद्योगिकी प्रधान परियोजना है। परियोजना के पूरा होने की सटीक समय-सीमा और लागत का अनुमान सिविल संरचनाओं, रेलपथ, विद्युत, सिगनलिंग और दूरसंचार तथा ट्रेनसेट की आपूर्ति से संबंधित सभी संबंधित कार्यों के पूरा होने के बाद ही लगाया जा सकेगा।

वंदे भारत गाड़ियां मौजूदा नेटवर्क के लिए सेमी-हाई स्पीड गाड़ियां हैं। इन्हें बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए डिजाइन नहीं किया गया है। बुलेट ट्रेन परियोजना को जापानी सिंकनसेन गाड़ियों के लिए डिजाइन किया गया है।

अब तक, भारतीय रेल की बड़ी लाइन विद्युतीकृत नेटवर्क पर चेयर कार वाली 150 वंदे भारत रेलगाड़ियाँ चालू हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल में यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन, वंदे भारत सेवाओं सहित अन्य गाड़ी सेवाएं शुरु करना एक सतत् प्रक्रिया है।

वंदे भारत ट्रेनसेट का डिज़ाइन और निर्माण इंटीग्रल कोच फ़ैक्टरी, चेन्नई द्वारा स्वदेशी रूप से किया गया है। इन सेवाओं को और अधिक मार्गों तक विस्तार करने के लिए मेक इन इंडिया पहल के तहत 200 वंदे भारत शयनयान रेकों का निर्माण कार्य चल रहा है।

****